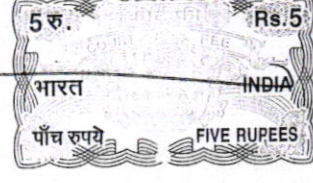
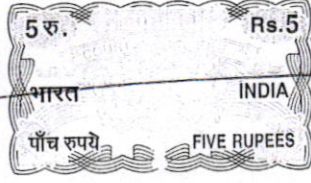


89

न्यायालय श्रीमान् राजस्व बोर्ड, सर्किल कोर्ट, रीवा {म०प०}



Rs. 30/-

R. 5187 3/17

जवाहरलाल तनय हजमूण वमा निवासी ग्राम पोड़ी नौगई तहसील व
जिला सिंगरौली म०प० ----- आवेदक

बिरुद्ध

1. रामलल्लू तनय देवलाल बसोर निवासी ग्राम पोड़ी नौगई तह० व जिला
सिंगरौली म०प०
2. म०प०शासन ----- अना०गण

निगरानी बास्ते निरस्त किये जाने सीमांकन
आदेश राजस्व निरीक्षक महोदय, सर्किल कुटार
तहसील व जिला सिंगरौली आदेश दिनांक
2/2/2017 पारित प्रकरण क्र०8/अ12/2016-
2017

निगरानी अन्तर्गत धारा 50 म०प०भू-राजस्व
संहिता 1959इ०

मान्यवर,

आवेदन-पत्र के आधार निम्न है:-

1. यहकि आज्ञा अधोन्स्थ न्यायालय विधि एवं प्रक्रिया के विपरीत है।
2. यहकि अनावेदक ने भू-खण्ड क्र. 298 रकवा 0.070 हे० स्थित ग्राम
पोड़ी नौगई की जमीन का सीमांकन आवेदन प्रस्तुत किया था। उक्त आवेदन
पर राजस्व निरीक्षक महोदय, सर्किल कुटार ने भूमि नं०298 की सीमांकन
कार्यवाही किया और दिनांक 2/2/2017 को सीमांकन आदेश प्रस्तुत किया।

निरन्तर 2पर

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग-अ

प्रकरण क्रमांक 5187-दो/2017 निगरानी

जिला सिंगरोली

स्थान दिनांक

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं अभिभाषकों
आदि के हस्ताक्षर

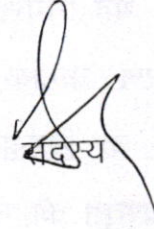
6/4/18

यह निगरानी राजस्व निरीक्षक वृत्त खुटार तहसील सिंगरोली के प्रकरण क्रमांक 8 अ-12/16-17 में पारित आदेश दिनांक 2-2-17 के विरुद्ध म.प्र.भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।

2/ प्रकरण का सारंश यह है कि अनावेदक ने ग्राम पोढ़ी नोगई की आराजी क्रमांक 298 रकबा 0.070 है. के सीमांकन की मांग की, जिस पर राजस्व निरीक्षक ने प्रकरण क्रमांक 8 अ-12/16-17 पंजीबद्ध किया तथा सीमांकन की मेढ़िया कास्तकारों को सूचना जारी की गई। राजस्व निरीक्षक ने दिनांक 11-1-17 को मौके पर जाकर सीमांकन कार्यवाही की, पंचनामा तैयार किया। सीमांकन पर आपत्ति न आने के कारण राजस्व निरीक्षक ने प्रकरण क्रमांक 8 अ-12/16-17 में पारित आदेश दिनांक 2-2-17 से सीमांकन को अंतिमता प्रदान कर दी। आवेदक के अभिभाषक ने तर्कों में बताया है कि राजस्व निरीक्षक ने अनावेदक को सूचना दिये बिना चोरी छिपे सीमांकन किया है जिसकी सूचना आवेदक को नहीं हुई, यदि आवेदक को सीमांकन की सूचना दी जाती है, निश्चित है वह अपना पक्ष समर्थन करता। अनावेदक की भूमि के किये गये सीमांकन से आवेदक की भूमि प्रभावित हुई है। आवेदक के अभिभाषक के तर्कों पर विचार करने एवं उपलब्ध अभिलेख के अवलोकन से यह निर्विवाद है कि सीमांकित भूमि अनावेदक के नाम भूमिस्वामी स्वत्व पर शासकीय अभिलेख में दर्ज है जिसके सीमांकन कराने की वह अधिकारी है।

प्रकरण क्रमांक 5187-दो/2017 निगरानी

अनावेदक की भूमि के सीमांकन से आवेदक स्वयं की भूमि को प्रभावित होना मानता है, तब वह आर.आई. अथवा उससे वरिष्ठ अधीक्षक भू अभिलेख से स्वयं की भूमि का सीमांकन कराने हेतु स्वतंत्र है जिसके कारण अनावेदक की भूमि के किये गये सीमांकन एवं सीमांकन आदेश दिनांक 2-2-17 में हस्तक्षेप का औचित्य नहीं है। निगरानी सारहीन होने से इसी-स्तर पर निरस्त की जाती है।


सदस्य

